POLITICAL SCIENCE Dep.
B.A Part-I (Hons), Paper II

Dr. HUSNA ARA
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D. College, Tajpur
Samastipur

आचार्य नरेंद्र देव

आचार्य नरेंद्र देव का जन्म अक्टूबर 1889 में सीतापुर, उत्तर-प्रदेश में हुआ। अपनी प्रारंभिक शिक्षा के उपरांत इलाहाबाद विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा ग्रहण की। वह इतिहास, दर्शन, धर्म, संस्कृति आदि के महान विद्वान थे। वह लोकतांत्रिक समाजवाद के समर्थक थे। आचार्य नरेंद्र देव एक राष्ट्रवादी देशभक्त थे। वह बाल गंगाधर तिलक तथा अरविंदो घोष से प्रभावित थे। कांग्रेस समाजवादी पार्टी की स्थापना से ही वह इसके प्रमुख नेताओं में से थे।

आचार्य नरेंद्र देव भारतीय स्वतंत्रता के प्रबल समर्थक थे। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वह कई बार जेल भी गए। आचार्य नरेंद्र देव ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भारत की आज़ादी का पूर्णतः समर्थन किया।

आचार्य नरेंद्र देव लोकतांत्रिक समाजवाद की स्थापना के समर्थक थे। साथ ही वह गाँधी जी के नैतिक विचारों के भी समर्थक थे। उनका मानना था कि जीवन और राजनीति दोनों में नैतिकता का होना आवश्यक है। समाज में समानता लाने के वह समर्थक थे।

Scanned with CamScanner

आचार्य नरेंद्र देव ने समाज में फैली कुरीतियों का भी विरोध किया। वह जाति-प्रथा के प्रबल विरोधी थे। उन्होंने अपने समाजवाद के सिद्धांत में समानता लाने हेतु, गरीबी, अशिक्षा, भुखमरी को मिटाने की बात कही। उन्होंने अध्ययन-अध्यापन का भी कार्य किया। समाज के गरीब बच्चों की शिक्षा में वह आर्थिक मदद भी करते थे ताकि बच्चे शिक्षा प्राप्त कर सकें।

आचार्य नरेंद्र प्राचीन भारतीय संस्कृति को महत्वपूर्ण मानते थे। उन्होंने बुद्ध और दर्शन का गहन अध्ययन किया। वह एक महान विद्वान, त्यागी, स्वतंत्रता सेनानी, समाजवादी थे। उन्होंने कहा था कि हमारा काम केवल उपनिवेशवाद के शोषण को ही समाप्त करना नहीं है बल्कि समाज के उन वर्गों के शोषण को भी समाप्त करना है जो गरीब वर्गों पर किए जाते हैं। आचार्य नरेंद्र देव कृषकों के हितों के भी समर्थक थे। उनका मानना था कि कृषक जो दिन रात कठिन परिश्रम कर लोगों तक अन्न पहुँचाते हैं उनपर भी विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। फरवरी 1956 में आचार्य नरेंद्र देव का देहांत हो गया।

Dr. Bhawna Arya
Asst. Professor